

६५९

६५-१२१

॥ श्री वज्रसूक्तकवच ॥

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

DH121

६५९

ॐ नमः श्री वज्रसत्त्वाय ॥ ॥ वज्रसत्त्व उवाच ॥ निबंज
 तनिना कान्ध गुण्य गुण्य महा गुण्य निना लंब निना कान्ध
 अमूर्ति ॥ नमो महापृथ्वी मधुल ॥ मम वज्र गवी न स्थ गिना ॥ गुरु
 श्रीमत्सर्ग मयं पाताल पाद स्थापने ॥ उद्धम मर्म मधुल ॥ १
 माका गङ्गाय नद वी प्रहा पान मिता गुरु ॥ वज्रसत्त्व वज्रका

म ॥ य १४ प्रहा पान मिता ॥ ॥ वेना च न मिता एव वाम मूर्ति
 अमिना ए श्रुता एह दय जंजन त्र संख ना लो अमा घ पादं ॥
 लता ट स्य वे ना च न दहि न नल संख पश्चिम अमिना ए वाम
 अमा घ सिद्धि ॥ वेना च न महा अमि गु कव र्हे महा कल ॥ (श्वर
 पी न न क म्भाम च रु र्व कं एव रु अहं प म गु र्व क्ता चार्य वज्र य

६४ धनं गुह्यं ॥ प्रह्लाहा ननु मालिङ्ग सर्वमथागमाह्वं ॥ ॥
नासाह्वं गगनगङ्गा किमिगहं चक्रुः वयं ॥ कर्णह्वं वक्रपा
शिदिक्कायां रुक्मकथन ॥ ॥ ममात्मकमंरुषी कायसर्वजीव
नयविष्कं हि स्वाप्तमेडी यजामं वीरुसमंरुहद्रकं ॥ ॥ उरुदहि
नरुमांरुकं उरुवासापनाजिना ॥ मुखजानाहयग्रीवागुह्यम् ॥

॥ ३ ॥

ममकुक्षुलि ॥ ॥ अचलदहिनजान्वासमान्महावल ॥ ॥
उष्णीषचक्रवर्दिस्त्रांस्थपनंमम ॥ अक्षरुगुंरुनाजानपा
मालसंस्थिनाम्यहं ॥ ॥ अथप्रहापायमिमाउवाच ॥ चक्रुर्द
वीसमाह्वं नागशाकाणमधमधुलं ॥ ॥ माहर्दिनाचना
द्वषनमिमामकि नागनमिपाधुना दवीनावाचनमि ॥ ॥

पृथ्वी वाचना प्यामाशापभाकुधुमा मकि ॥ रुजाभाकुधुपाभुना
 वातामना प्रकीर्तिता ॥ ॥ यजसत्वावाच ॥ विश्ववज्रहमि
 स्थापं ॥ चक्रुर्दिशं वज्र गुचि आकाशगगनगंगमं धस्थी अमा
 यतिद्विमम ॥ ॥ रुद्रपूर्ववेनाचन दंकि ॥ एतत्संहवप
 धिमममिनाह उरुन ममायसिद्धि ॥ ॥ अग्नि का ॥ एस्थ

गुरुः
 ३

वाचना ॥ नेमस्य का ॥ एदवी मामकि वायवेपाभुना दधी रूमा
 नशी आर्यमाना ॥ रुद्रिगर्हमधुल ॥ ॥ अग्नि स्या नस्य रूपवजा
 नेमस्य गवदवजा वायवेगंधवजा रूमानस्य गंधवजा ॥ पूर्ववा
 हाप्रति कायां मे शीया रुद्रिगर्ह ॥ दंकि ॥ एतत्संहवप
 रवगर्ह ॥ ॥ पश्चिमप्रति कायां लोकश्च नमरुधी सर्वशिवनदावि

षं हि उद्धन ॥ ॥ पूर्वज्ञानयमानक ॥ दक्षिणज्ञानयमानक ॥
 श्रिमद्वानयमानक ॥ उद्धनज्ञानयमानक ॥ ॐ नमो का (य) भवत
 अग्नि का (य) दक्षि नाज ॥ नमो मनीलदधु ॥ वायुवमहावल उद्ध
 उद्धोषचक्रवर्ति ॥ धृतराजपातालस्थानं ॥ ॐ नमो गगन व्याफ ॥ यत्
 दिगादिदिगस्थिना हव रुवज कवच ॥ ॥ ॐ नमो श्री वज्रसूत्रकाय ॥ ४ ॥
 सूर्यमग्न्याफ वज्रसूत्रकवचसमाप्तः ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥